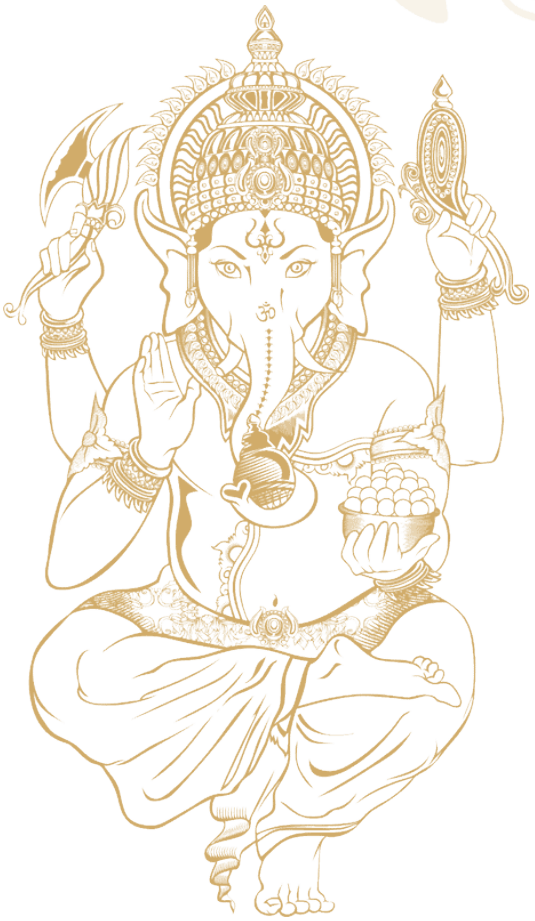

Mr. meera

20 Dec 1959

11:55 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119923802

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/12/1959	जन्म तिथि	**20/12/2025**
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 11:55:00	जन्म समय	10:09:41 घंटे
घटी 11:55:09	जन्म समय(घटी)	07:30:33 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:56	सूर्योदय	07:09:27
17:27:49	सूर्यास्त	17:28:18
23:17:52	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:16

कुम्भ	लग्न	मकर
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
सिंह	राशि	धनु
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
मघा	नक्षत्र	मूल
केतु	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	2
विष्कुम्भ	योग	गण्ड
तैतिल	करण	किंस्तुघ्न
मा-माणिक	जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	श्वान
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मृग
66	गत/तत्कालिक वर्ष	67

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०भाद्रपद	2	24:41:59	कुंभ			लग्न			मक	20:09:07	4	श्रवण
मूल	2	04:19:10	धनु			सूर्य			धनु	04:19:10	2	मूल
मघा	1	00:25:35	सिंह			चंद्र			धनु	05:40:24	2	मूल
ज्येष्ठा	1	18:30:01	वृश्चि			मंगल		अ	धनु	09:28:04	3	मूल
अनुराधा	4	14:52:01	वृश्चि			बुध			वृश्चि	16:54:20	1	ज्येष्ठा
ज्येष्ठा	2	22:50:34	वृश्चि			गुरु	व		मिथु	28:35:19	3	पुनर्वसु
विशाखा	1	21:12:32	तुला			शुक्र		अ	धनु	00:07:35	1	मूल
पूर्वाषाढ़ा	1	14:46:37	धनु		अ	शनि			मीन	01:22:11	4	पू०भाद्रपद
उ०फाल्गुनी	3	05:51:46	कन्या	व		राहु	व		कुंभ	17:41:19	4	शतभिषा
उ०भाद्रपद	1	05:51:46	मीन	व		केतु	व		सिंह	17:41:19	2	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	4	27:32:11	कर्क	व		मु			सिंह	24:41:59	4	पू०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

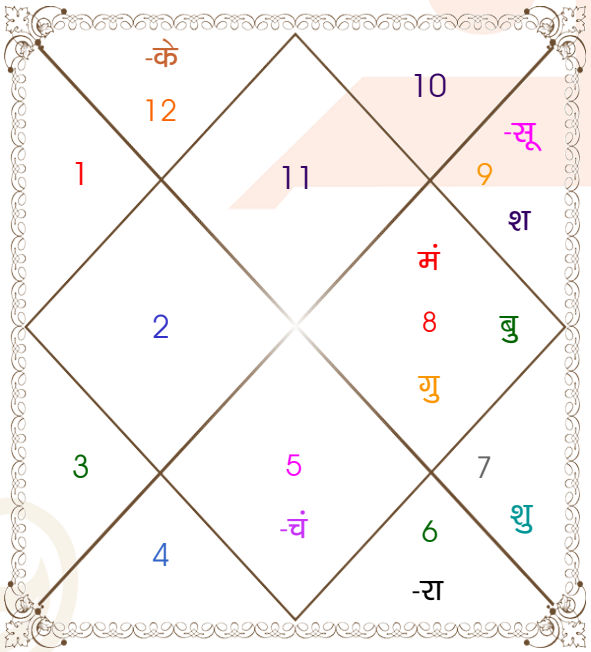

वर्ष लग्न कुंडली

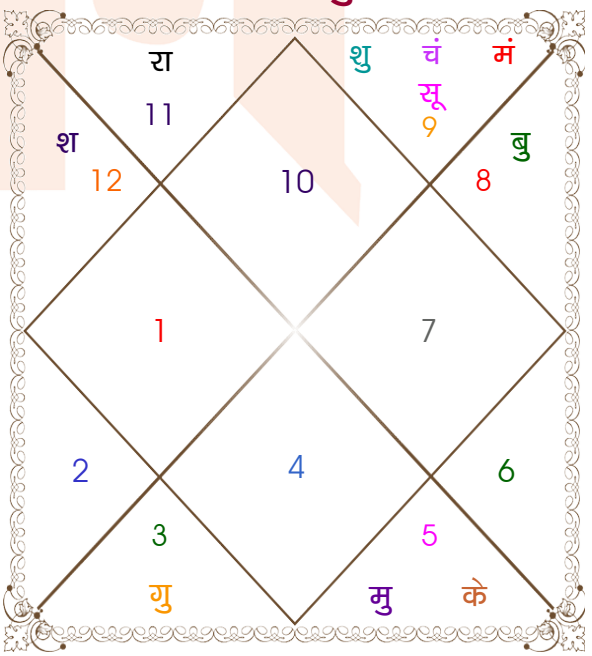

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - चंद्र - गुरु	
19/08/2025 03:35	
31/10/2025 04:47	
गुरु	28/08/2025 21:20
शनि	09/09/2025 10:56
बुध	19/09/2025 19:18
केतु	24/09/2025 01:34
शुक्र	06/10/2025 05:46
सूर्य	09/10/2025 21:26
चंद्र	15/10/2025 23:32
मंगल	20/10/2025 05:48
राहु	31/10/2025 04:47

राहु - चंद्र - शनि	
31/10/2025 04:47	
25/01/2026 22:42	
शनि	13/11/2025 22:25
बुध	26/11/2025 05:22
केतु	01/12/2025 06:48
शुक्र	15/12/2025 17:48
सूर्य	20/12/2025 01:53
चंद्र	27/12/2025 07:23
मंगल	01/01/2026 08:50
राहु	14/01/2026 09:07
गुरु	25/01/2026 22:42

राहु - चंद्र - बुध	
25/01/2026 22:42	
13/04/2026 13:29	
बुध	05/02/2026 22:36
केतु	10/02/2026 11:16
शुक्र	23/02/2026 09:43
सूर्य	27/02/2026 06:52
चंद्र	05/03/2026 18:06
मंगल	10/03/2026 06:45
राहु	21/03/2026 22:10
गुरु	01/04/2026 06:33
शनि	13/04/2026 13:29

राहु - चंद्र - केतु	
13/04/2026 13:29	
15/05/2026 12:30	
केतु	15/04/2026 10:13
शुक्र	20/04/2026 18:04
सूर्य	22/04/2026 08:25
चंद्र	25/04/2026 00:20
मंगल	26/04/2026 21:05
राहु	01/05/2026 16:08
गुरु	05/05/2026 22:24
शनि	10/05/2026 23:51
बुध	15/05/2026 12:30

राहु - चंद्र - शुक्र	
15/05/2026 12:30	
14/08/2026 20:00	
शुक्र	30/05/2026 17:45
सूर्य	04/06/2026 07:20
चंद्र	11/06/2026 21:57
मंगल	17/06/2026 05:48
राहु	30/06/2026 22:31
गुरु	13/07/2026 02:43
शनि	27/07/2026 13:42
बुध	09/08/2026 12:10
केतु	14/08/2026 20:00

राहु - चंद्र - सूर्य	
14/08/2026 20:00	
11/09/2026 05:27	
सूर्य	16/08/2026 04:53
चंद्र	18/08/2026 11:40
मंगल	20/08/2026 02:01
राहु	24/08/2026 04:38
गुरु	27/08/2026 20:18
शनि	01/09/2026 04:23
बुध	05/09/2026 01:32
केतु	06/09/2026 15:53
शुक्र	11/09/2026 05:27

राहु - मंगल - मंगल	
11/09/2026 05:27	
03/10/2026 14:22	
मंगल	12/09/2026 12:47
राहु	15/09/2026 21:19
गुरु	18/09/2026 20:54
शनि	22/09/2026 09:55
बुध	25/09/2026 13:59
केतु	26/09/2026 21:18
शुक्र	30/09/2026 14:47
सूर्य	01/10/2026 17:38
चंद्र	03/10/2026 14:22

राहु - मंगल - राहु	
03/10/2026 14:22	
30/11/2026 03:01	
राहु	12/10/2026 05:28
गुरु	19/10/2026 21:33
शनि	29/10/2026 00:10
बुध	06/11/2026 03:45
केतु	09/11/2026 12:17
शुक्र	19/11/2026 02:24
सूर्य	21/11/2026 23:26
चंद्र	26/11/2026 18:29
मंगल	30/11/2026 03:01

राहु - मंगल - गुरु	
30/11/2026 03:01	
20/01/2027 06:16	
गुरु	06/12/2026 22:39
शनि	15/12/2026 00:58
बुध	22/12/2026 06:49
केतु	25/12/2026 06:25
शुक्र	02/01/2027 18:57
सूर्य	05/01/2027 08:19
चंद्र	09/01/2027 14:35
मंगल	12/01/2027 14:10
राहु	20/01/2027 06:16

राहु - मंगल - शनि	
20/01/2027 06:16	
21/03/2027 23:36	
शनि	29/01/2027 21:00
बुध	07/02/2027 11:28
केतु	11/02/2027 00:29
शुक्र	21/02/2027 03:22
सूर्य	24/02/2027 04:14
चंद्र	01/03/2027 05:41
मंगल	04/03/2027 18:41
राहु	13/03/2027 21:18
गुरु	21/03/2027 23:36

राहु - मंगल - बुध	
21/03/2027 23:36	
15/05/2027 07:33	
बुध	29/03/2027 16:20
केतु	01/04/2027 20:24
शुक्र	10/04/2027 21:43
सूर्य	13/04/2027 14:55
चंद्र	18/04/2027 03:35
मंगल	21/04/2027 07:38
राहु	29/04/2027 11:14
गुरु	06/05/2027 17:05
शनि	15/05/2027 07:33

राहु - मंगल - केतु	
15/05/2027 07:33	
06/06/2027 16:28	
केतु	16/05/2027 14:52
शुक्र	20/05/2027 08:21
सूर्य	21/05/2027 11:12
चंद्र	23/05/2027 07:57
मंगल	24/05/2027 15:16
राहु	27/05/2027 23:48
गुरु	30/05/2027 23:23
शनि	03/06/2027 12:24
बुध	06/06/2027 16:28

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।